

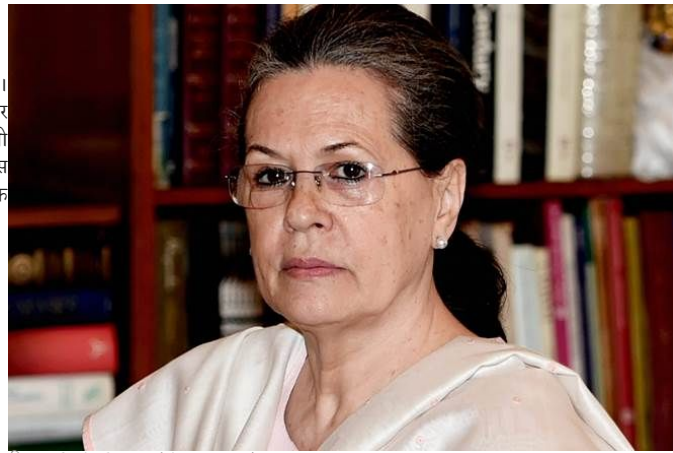
जम्मू-ए-कश्मीर

विदेश सोनिया गांधी ने गाजा पर मोदी सरकार के रुख की आलोचना की

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने गाजा में इजरायल की कार्रवाई पर मोदी सरकार की कथित निष्क्रियता और चुप्पी की कड़ी आलोचना की है, इसे अनैतिक और राष्ट्रीय हित के विरुद्ध बताया है।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने गाजा में चल रहे संघर्ष पर केंद्र सरकार के रुख की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सरकार की चुप्पी और निष्क्रियता को "पत्थर जैसा मौन" और "निष्क्रियता" करार दिया। गांधी ने जोर देकर कहा कि सरकार का रुख न केवल नैतिक रूप से गलत है, बल्कि यह भारत के राष्ट्रीय हित के दृष्टिकोण से भी सवाल खड़े करता है। उनकी यह टिप्पणी शनिवार को जारी एक मजबूत बयान में आई है। कांग्रेस नेता के इस बयान ने एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय मानवीय संकट पर सरकार की विदेश नीति की एक महत्वपूर्ण राजनीतिक आलोचना को उजागर किया है।

स्रोत: Kashmir Observer



चित्र: Kashmir Observer (via NewsData)

विदेश पाकिस्तान पर PoJK में सहायता रोकने और मानवाधिकार हनन का आरोप



चित्र: Wikimedia Commons / Mirza Ghulam Husain Qandahari

स्विट्जरलैंड कश्मीर मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष मिर्जा शफीक ने पाकिस्तान-नियंत्रित जम्मू और कश्मीर (PoJK) की स्थिति को लेकर पाकिस्तानी अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शफीक का दावा है कि पाकिस्तानी अधिकारी इस क्षेत्र में एक कठोर कार्रवाई लागू कर रहे हैं। आरोपों के अनुसार, इस कार्रवाई में सड़क अवरोधक लगाने और बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां करने जैसे उपाय शामिल हैं। इसके अलावा, शफीक का आरोप है कि आतंकवाद विरोधी कानूनों का इस्तेमाल इस तरह से किया जा रहा है जिससे संकट और बढ़ गया है। आयोग के अध्यक्ष द्वारा वर्णित इन कार्यों के संयुक्त प्रभाव से PoJK के भीतर एक महत्वपूर्ण मानवीय संकट पैदा हो गया है, जिससे निवासियों के कल्याण के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं।

स्रोत: Latestly

देश • अनंतनाग

अमरनाथ यात्रा 2026 से पहले अनंतनाग पुलिस ने किया एंटी-ड्रोन मॉक ड्रिल

अनंतनाग में सुरक्षा बलों ने 2026 की अमरनाथ यात्रा की तैयारियों के तहत एक एंटी-ड्रोन मॉक ड्रिल का संचालन किया। इस अभ्यास का उद्देश्य उभरते हवाई खतरों का मुकाबला करने की क्षमताओं का आकलन और वृद्धि करना था। इस ड्रिल में अनंतनाग पुलिस और अन्य सुरक्षा कर्मियों ने भाग लिया, जिसका मुख्य ध्यान किसी भी अनधिकृत ड्रोन गतिविधि का पता लगाने और उसे निष्क्रिय करने पर था। इसका लक्ष्य पवित्र तीर्थस्थल की वार्षिक तीर्थयात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह अभ्यास सुरक्षा एजेंसियों की संभावित सुरक्षा चु...

स्रोत: Zee News